Cambridge International A Level

Cambridge International Examinations
Cambridge International Advanced Level

HINDI **9687/02**

Paper 2 Reading and Writing **October/November 2014**

1 hour 45 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

4536683626

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, glue or correction fluid.
DO **NOT** WRITE IN ANY BARCODES.

Answer **all** questions.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You should keep to any word limits given in the questions.

At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

पहले नीचे दिये गये निर्देशों को पढ़िए

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी गयी है तो उसके पहले पृष्ठ के निर्देशों का पालन करें।
परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर केन्द्र संख्या, छात्र संख्या और अपना नाम लिखें।
गहरी नीली या काली स्याही वाली कलम से कागज़ के दोनों ओर लिखें।
स्टेपलर्, पेपर-क्लिप, गोंद या करेक्शन्-फ़्लुइड का प्रयोग न करें।
किसी भी बारकोड में न लिखें।

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
अलग से दी गयी उत्तर-पुस्तिका में अपने उत्तर हिन्दी में लिखें।
शब्दकोश का प्रयोग मना है।
उत्तर, प्रश्नों में दिये गये शब्दों की संख्या तक ही सीमित रखें।

परीक्षा के अंत में अपने सभी पृष्ठों को सुरक्षित रूप से एक साथ धागे से बाँध दें।
प्रत्येक प्रश्न या प्रश्न-अंश के अंत में उसके निर्धारित अंक कोष्ठकों [ ] में दिये गये हैं।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

© UCLES 2014
CAMBRIDGE International Examinations

भाग 1

निम्नलिखित आलेख को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

रक्षा या धमकी

ऐसा माना जाता है कि शारीरिक बल के आधार पर पुरुष और स्त्री का समाज में स्थान निर्धारित हो गया। पुरुष ने रक्षक की भूमिका ले ली और स्त्री को पुरुष की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति का प्रतीक बना दिया गया। उसका अपना विकास पुरुष की प्रसन्नता व अप्रसन्नता पर ऐसे निर्भर हो गया कि उसकी उपस्थिति एक विनम्र सेविका के रूप में देखी जाने लगी। बचपन में पिता, युवावस्था में पति तथा वृद्धावस्था में पुत्र की आज्ञा का पालन करने वाली, दुर्बल सी दिखाई देने वाली इस प्रेम की मूर्ति में, समय आने पर अपने पाँव पर खड़े होने की क्षमता कहाँ से आ गयी, इस पर पुरुष-प्रधान समाज आज भी आश्चर्यचकित है। यह ठीक है कि इस बदलते समय में कुछ महिलाएं अपने सामर्थ्य और शक्ति के बल पर समाज में अपना स्थान बना रही हैं लेकिन यह आम बात नहीं है।

अपनी प्रभुता की लगाम कसते हुए पुरुष ने आर्थिक व निर्णयात्मक गतिविधियों को अपनी मुट्ठी में जकड़े रखा और परम्पराओं के नाम पर पारिवारिक समस्याओं को परिवार के भीतर ही निपटाने का दायित्व ले लिया। फलस्वरूप पारिवारिक, सामाजिक तथा आर्थिक समझौतों के बीच यह परिवार रूपी गाड़ी चलती रही।

इस प्रकार के अधिकांश समझौते किन दबावों में और किनके विरूद्ध होते हैं यह किसी से छिपा नहीं है। शादी के अवसर पर दहेज मांगने की प्रथा से लेकर साधारण तू-तू मैं-मैं तक के लिए घरेलू अत्याचार का शिकार होने वाली नारी को ही अपना मुँह सी लेना पड़ता है। पश्चिमी देशों के आंकड़ों के अनुसार आधे से अधिक नारियों के प्रति दुष्कर्म के कांडों में रिश्तेदार या जान-पहचान के व्यक्ति ही अपराधी होते हैं। परिवार की प्रतिष्ठा पर धब्बा न लगे इसलिए पीड़ित नारी का, या तो विश्वास न करके, या उसे ही दोषी ठहराकर, मुँह बंद कर दिया जाता है।

पिछले कुछ वर्षों से नारी की मर्यादा को सुरक्षित रखने तथा उसे शारीरिक व मानसिक अत्याचार से बचाने के लिए विभिन्न देशों के केंद्र-प्रशासन ने विधेयक स्वीकार किया है तथा सुरक्षा-अधिकारी नियुक्त करने का फैसला लिया है। अब आवश्यकता है इस विधेयक को कानून में बदल कर लागू करने की। इसके साथ-साथ हमें, नारियों में अपने अधिकारों के प्रति चेतना उत्पन्न करने के लिए और पुरुषों को पुरुषवादी संकुचित मानसिकता से बाहर लाने के लिए, सतत् प्रयत्नशील होना चाहिए। क्योंकि किसी भी समाज में जहाँ धर्म और पारंपरिक रूढियाँ सभी नियम तय करती हैं वहाँ केवल कानून ही पर्याप्त नहीं है।

© UCLES 2014

1 नीचे दी गयी शब्दावली के लिए उपर्युक्त आलेख में लिखित उन शब्दों या उक्तियों को लिखिए जिनसे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरणः	आदेश	(para. 1)	
उत्तरः	आज्ञा		
(a)	हैरान	(para. 1)	[1]
(b)	परिणामतः	(para. 2)	[1]
(c)	अपराधी	(para. 3)	[1]
(d)	लगातार	(para. 4)	[1]
(e)	काफ़ी	(para. 4)	[1]

[पूर्णांकः5]

2 निम्नलिखित प्रत्येक शब्द या उक्ति का प्रयोग करते हुए अपने शब्दों में ऐसे वाक्य बनाइए जिससे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरणः तू-तू मैं-मैं (para. 3)

उत्तरः दिन-रात अपनी माँ और पत्नी की तू-तू मैं-मैं से राम परेशान रहता है।

(a)	दैनिक	(para. 1)	[1]
(b)	मुट्ठी में जकड़ना	(para. 2)	[1]
(c)	मुंह बंद करना	(para. 3)	[1]
(d)	नियुक्त	(para. 4)	[1]
(e)	चेतना	(para. 4)	[1]

[पूर्णांकः5]

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। आलेख के वाक्यों की नकल न करें।

(प्रत्येक प्रश्न के अंत में अंकों की संख्या दी गयी है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तर की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किये गये हैं।)

(a) पुरुष,स्त्री की ताकत को समझने में असमर्थ क्यों है? स्पष्टीकरण दीजिए। [2]

(b) पुरुष ने अपने नियंत्रण में क्या रखा और क्यों? वर्णन कीजिए । [3]

(c) 'नारी पुरुष के अत्याचार का शिकार बनी' से क्या तात्पर्य है, लिखिए। [4]

(d) नारी के अधिकार की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने क्या कदम उठाया ? [3]

(e) कानून बनने के पश्चात् और क्या करना आवश्यक है और क्यों? [3]

[पूर्णांकः15+5=20]

© UCLES 2014

भाग 2

अब इस द्वितीय आलेख को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए।

नये युग की मांग

विश्वयुद्ध व औद्योगिक-क्रांति ने भौतिक सुख-सुविधाओं के प्रति लालसा उत्पन्न की। इस धन-सम्पत्ति तथा ऐश्वर्य-पूर्ण रहन-सहन की चकाचौंध ने 'नारी का स्थान केवल घर में ही नहीं अपितु पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जीविका उपार्जन के लिए है' की भावना को जन्म दिया। आठ मार्च सन् उन्नीस सौ आठ में यूनाइटिड किंगडम की महिलाओं ने 'रोटी और गुलाब' के नारे के साथ अपने अधिकारों की मांग की क्योंकि 'रोटी' उनकी आर्थिक सुरक्षा, और 'गुलाब' अच्छे जीवन-स्तर का प्रतीक था। इस नयी मिली स्वतंत्रता की उत्तेजना में नारी यह भी भूल गयी कि अब उसे पैसा कमाने के साथ-साथ, काम से थक कर चूर होकर घर वापस आने पर, भोजन पकाने से लेकर बच्चों व पति के आराम के लिये, वह सभी-कुछ भी करना होगा जो वह आज तक करती आयी है।

इतना ही नहीं यद्यपि इस बदलते हुए समय में पुरुष और स्त्री को समान अधिकार मिलने का दावा किया जाता है, परन्तु यदि ध्यान से देखा जाए तो अभी भी समाज में लिंग-विभाजन व वेतन में अन्तर उपस्थित है। स्त्रियों को कम वेतन तथा निम्न या मध्यतल में काम दिया जाता है। अभी भी उच्चतलीय-प्रबंधक के रूप में बहुत कम स्त्रियाँ नियुक्त की जाती हैं और यदि हैं भी तो वे केवल दिखावे व तालिका की पूर्ति के लिये हैं। नारी के कार्यक्षेत्र की प्रगति में आनाकानी की जाती हैं उदाहरणतः 'प्रसव- अवकाश या परिवार के दायित्व के कारण वह अपना पूरा ध्यान काम पर न लगा सकेगी' इत्यादि। तथ्य तो यह है कि पुरुष-जन नारी को देवी मानकर उसकी पूजा तो कर सकता है अथवा अपने से हीन जानकर उसे दुत्कार सकता है लेकिन वास्तविक अर्थों में अपने बराबर समझकर उससे निर्देश लेने में अभी भी वह हिचकिचाहट अनुभव करता है।

यह सच है कि नारी परम्पराओं की संरक्षक हैं और परम्पराएं सामाजिक ताने-बाने को सुरक्षित रखती हैं। परन्तु उन्हें बनाए रखने में यदि स्त्रियों का भविष्य दांव पर लगने लगे तो उन्हें बदलने में संकोच नहीं होना चाहिए। बदलते समय के साथ आने वाले परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, स्त्री की आर्थिक-सुरक्षा की बलि देने की अपेक्षा उसे भी अपना भावी मार्ग चुनने और सम्मान की खुली हवा में उन्मुक्त सांस लेने का एक समान अधिकार होना चाहिए। स्त्री और पुरुष दोनों को जीविका उपार्जन, आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक निर्णय लेने में ही नहीं अपितु गृह-कार्य व संतान के पालन-पोषण में भी एक समान भागी बनना चाहिए।

© UCLES 2014

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। आलेख के वाक्यों की नकल न करें।

(प्रत्येक प्रश्न के अंत में अंकों की संख्या दी गयी है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तर की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किये गये हैं।)

(a) स्त्री के जीवन पर औद्योगीकरण का क्या प्रभाव पड़ा और क्यों? [2]

(b) 'रोटी और गुलाब' के नारों के महत्व पर प्रकाश डालिए। [2]

(c) स्त्री की नयी भूमिका का उल्लेख कीजिए। [4]

(d) उन्नति के पथ पर स्त्री के सामने क्या रूकावटें आईं और क्यों? [3]

(e) स्त्री-पुरुष के एक समान सहयोग से क्या तात्पर्य है,लिखिए। [4]

[पूर्णांक:15+5=20]

5 (प्रत्येक प्रश्न के अंत में अंकों की संख्या दी गयी है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तर की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किये गये हैं।)

(a) उपरोक्त दोनों आलेखों को ध्यान में रखते हुए समाज में पनपने वाली स्त्री-पुरुष के बीच की असमानताओं के विषय में लिखिए। [10]

(b) दोनों अनुच्छेदों में वर्णित स्त्री की सामाजिक भूमिका से आप कहाँ तक सहमत हैं? अपने विचार लिखिए। [5]

इन दोनों प्रश्नों के उत्तर 140 शब्दों की सीमा तक ही रखिए।

[पूर्णांक:15+5=20]

BLANK PAGE

BLANK PAGE

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.